भारत – चिली संबंध

द्विपक्षीय संबंध :

भारत - चिली संबंधों की विशेषता गर्मजोशी, मैत्री तथा व्यापक श्रेणी के मुद्दों पर विचारों में समानता है। वर्ष 2009 में भारत और चिली द्वारा राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मनाई गई तथा इस अवसर पर चिली के राष्ट्रपति डा. मिचेल बचेलेट जेरिया द्वारा भारत की यात्रा की गई। अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद से खतरे के बारे में भारत के सरोकारों को चिली अच्छी तरह समझता है तथा चिली ने उस सीमा पारीय आतंकवाद के कृत्यों की नियमित रूप से निंदा की है जिसका दंश भारत ने झेला है। चिली की संसद ने भारत की संसद पर हुए आतंकी हमले तथा मुंबई में आतंकी हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार एवं सुधार पर दोनों देशों के विचारों में समानता है। चिली ने अप्रैल, 2003 में चिली के तत्कालीन विदेश मंत्री की भारत की आधिकारिक यात्रा की समाप्ति पर जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट के लिए भारत की भागीदारी के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। उच्च स्तर पर यात्राओं के आदान - प्रदान के माध्यम से इन वर्षों में द्विपक्षीय संबंध सुदृढ़ हुए हैं।

यात्राएं :

दोनों पक्षों द्वारा उच्च स्तर पर यात्राओं का आदान - प्रदान हुआ है। माननीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी (1968), माननीय राष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा (1995) और माननीय राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल (2008) ने चिली का दौरा किया है। इसी तरह, चिली के राष्ट्रपति महामहिम रिकार्डो लागोस इस्कोबार (2005) और महामहिम डा. मिचेल बाचेलेट जेरिया (2009) ने भारत का दौरा किया है। 2012 में यू एन महिला के कार्यपालक निदेशक के रूप में डा. मिचेल बैचेलेट ने भारत का दौरा किया।

दोनों देशों के बीच मंत्री स्तर पर भी अनेक यात्राओं का आदान - प्रदान हुआ है। भारत की ओर से चिली की हाल की यात्राओं के तहत शामिल हैं - सितंबर, 2010 में माननीय राज्य मंत्री (वाणिज्य एवं उद्योग) श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया; अप्रैल, 2011 में माननीय खान राज्य मंत्री श्री दिनशा जे पटेल; जुलाई, 2011 में भारत के माननीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त डा. एस वाई कुरेशी; जनवरी, 2012 में लोक सभा की माननीय अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार; अप्रैल, 2012 में माननीय राज्य मंत्री (संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी) श्री सचिव पायलट; फरवरी, 2013 में माननीय विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद; सितंबर, 2013 में माननीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री डा. फारूख अब्दुल्लाह; और मार्च, 2014 में माननीय राज्य मंत्री (राजस्व) श्री जे डी सीलम। माननीय राज्य मंत्री (कपड़ा, संसदीय कार्य, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा जीर्णोद्धार) श्री संतोष कुमार गंगवार के नेतृत्व में संसद सदस्यों के एक 11 सदस्यीय भारतीय सद्भावना शिष्टमंडल ने नवंबर, 2014 में चिली का दौरा किया। इसके अलावा, भारत और चिली के तीनों सेनाओं के सेना प्रमुखों ने भी यात्राओं का आदान - प्रदान किया है।

चिली की ओर से भारत की मंत्री स्तरीय यात्राओं के तहत शामिल हैं - विदेश मंत्री श्री अल्फ्रेडो मोरेना चरमा (जिन्होंने पहली भारत - सी ई एल ए सी त्रोइका में अस्थाई रूप से राष्ट्रपति के रूप में चिली का प्रतिनिधित्व किया) और अगस्त, 2012 में भारत के प्राधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए भी तथा जून, 2013 में कृषि मंत्री श्री लुईस मायोल की यात्रा।

भारत – चिली विदेश कार्यालय परामर्श की छठी बैठक का आयोजन 31 अक्टूबर, 2014 को नई दिल्ली में हुआ।

करार :

भारत और चिली ने सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में करार / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया है, जैसे कि पी टी ए, खेल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, रक्षा, अंटार्कटिका, हवाई सेवाएं, कृषि, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, बाहरी अंतरिक्ष, भू-विज्ञान तथा खनिज संसाधन।

आईटीईसी कार्यक्रम :

चिली में आई टी ई सी कार्यक्रम लोकप्रिय है। इस समय भारतिया दूतावास चिली के देश वासियों के लिए लगभग 25 आई टी ई सी छात्रवृत्तियों की पेशकश कर रहा है।

व्यापार एवं आर्थिक संबंध :

भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2010 से 2012 के दौरान भारत को चिली की ओर से निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई है। भारत की ओर से चिली को निर्यात में इसी अवधि के दौरान क्रमश: 36.9%, 22.6% और 40.9% की वृद्धि हुई है। वर्ष 2012 में भारत - चिली द्विपक्षीय व्यापार 3.29 बिलियन अमरीकी डालर था। 2013 में द्विपक्षीय व्यापार 2.88 बिलियन अमरीकी डालर था और 2014 में यह 3.19 बिलियन अमरीकी डालर था तथा जनवरी से नवंबर 2015 की अवधि के दौरान यह 2.596 बिलियन अमरीकी डालर था। नीचे दी गई सारणी भारत और चिली के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मिलियन अमरीकी डालर के रूप में दर्शाती है:

वर्ष	भारत से चिली को निर्यात (सी आई एफ)	चिली से भारत द्वारा आयात (एफ ओ बी)	कुल भारत - चिली द्विपक्षीय व्यापार
2010	380.91	1581.95	1962.86
2011	467.03	1964.99	2432.02
2012	658.45	2636.82	3295.27
2013	693.90	2182.70	2876.60
2014	619.84	2571.74	3191.59
2015 (जनवरी से नवंबर)	612.32	1984.43	2596.75

व्यापार के उपर्युक्त आंकड़ों में ईक्विके के मुक्त व्यापार क्षेत्र को भारत द्वारा किए गए निर्यात के आंकड़े शामिल नहीं है, जिसकी मात्रा वर्ष 2010 39.2 मिलियन अमरीकी डालर, वर्ष 2011 में 42.9 मिलियन अमरीकी डालर, वर्ष 2012 में 60.8 मिलियन अमरीकी डालर और वर्ष 20 में 34.18 मिलियन अमरीकी डालर थी; और इसमें भारत का सेवा निर्यात शामिल नहीं है, जिसकी मात्रा 20 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास थी। इक्विके में जोफरी जोन में काम करने वाली 6 प्रतिशत कंपनियां भारतीय मूल की हैं।

अधिक मूल्य वर्धित भारतीय उत्पादों जैसे कि वाणिज्यिक वाहन (टेल्को, महिंद्रा), मोटर कार (टाटा मोटर्स, सुजुकी मारूति, और हुंदई), टू ह्वीलर और बल्क फार्मास्यूटिकल्स ने चिली के बाजार में पैठ बना ली है। चिली से आयात किए जाने वाले अन्य परंपरागत सामानों में गारमेंट, हस्तशिल्प, कपड़ा, कारपेट एवं हैंड टूल शामिल हैं। चिली से भारत मुख्य रूप से कॉपर, आयोडीन, केमिकल वुड पल्प, मोलिबडेनम कंसनट्रेट एवं ताजे सेब का आयात करता है।

भारतीय कारोबारी शिष्टमंडल जिन्होंने हाल में चिली का दौरा किया है : मार्च, 2012 और अगस्त 2015 में फार्मेक्सिल शिष्टमंडल; मार्च, 2012, 2013 और 2014 में परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (ए ई पी सी); नवंबर, 2013 में हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ई पी सी एच); नवंबर, 2013, मार्च 2014 और मार्च 2015 ,में खेल सामान निर्यात संवर्धन परिषद (एस जी ई पी सी) और मार्च, 2014 में भारतीय इलेक्ट्रानिक्स एवं कंप्यूटर साफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ई एस सी), जुलाई 2015 में चमड़ा निर्यात संवर्धन परिषद के शिष्टमंडल ने सैंटियागो का दौरा किया।

चिली के कारोबारी शिष्टमंडलों द्वारा भारत की हाल की यात्राओं में निम्नलिखित शामिल हैं : कैमइंडिया (चिली - इंडिया चैंबर ऑफ कामर्स), सैंटियागो चैंबर ऑफ कामर्स, एशिया - प्रशांत चैंबर ऑफ कामर्स और मुजेरेस डेल पैसिफिको के संयुक्त नेतृत्व में चिली के एक 20 सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल ने 14 से 24 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर में भाग लिया और अन्य कारोबारी बैठकों में भी भाग लिया।

एशिया - प्रशांत के लिए विशेष मिशन पर असाधारण एवं प्लेनीपोटेनटियरी राजदूत तथा चिली के पूर्व राष्ट्रपति महामहिम श्री एडुवार्डो फ्रेई के नेतृत्व में चिली के एक आधिकारिक शिष्टमंडल ने 20 से 30 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

भारत को पर्यटन के गंतव्य के रूप में प्रमोट करने के लिए दूतावास एवं पर्यटन मंत्रालय के साथ मिलकर भारतीय पर्यटन कार्यालय, न्यूयॉर्क द्वारा 27 सितंबर 2014 को सेंटियागो में एक भारतीय पर्यटन रोड शो का आयोजन किया गया। भारत से लगभग 15 टूर आपरेटर रोड शो में शामिल हुए तथा सचिव (पर्यटन) ने एक प्रस्तुति दी जिसमें भारत की पर्यटन संबंधी संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया और इस अवसर पर 'अतुल्य भारत' नामक एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आई टी पी ओ) ने 11 से 15 मार्च 2015 तक सेंटियागो में एक अनन्य भारतीय व्यापार मेला - ''एक्सपो इंडिया 2015'' आयोजित किया। मेले की डिस्प्ले प्रोफाइल बहुत विविधतापूर्ण थी अर्थात इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, रसायन एवं भेषज पदार्थ, वस्त्र, चमड़े के सामान, हस्तशिल्प, खाद्य उद्योग, खेल के सामान, पर्यटन एवं अतिथि सत्कार, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत आदि। 5 दिवसीय कार्यक्रम काफी सफल रहा तथा 5 दिवसीय एक्सपो इंडिया 2015 को देखने के लिए 52000 के आसपास लोग आए। आई टी पी ओ भारत से 100 से अधिक कंपनियों की भागीदारी के साथ 2 से 6 मार्च 2016 के दौरान सेंटियागो में एक अन्य इंडिया एक्सपो का आयोजन कर रहा है।

सांस्कृतिक संबंध :

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं में चिली के लोगों की गहरी रूचि है। चिली में योग और आयुर्वेद काफी लोकप्रिय हैं। भारी संख्या में चिली के लोगों द्वारा योग किया जाता है। देश के कोने - कोने में भिन्न - भिन्न दर्शन के योग एवं आयुर्वेद के असंख्य स्कूल हैं। चिली के लोगों की भारतीय शास्त्रीय नृत्यों को सीखने में भी गहरी रूचि है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों में प्रशिक्षित नर्तकों की संख्या बहुत कम है। तथापि देश में बालीवुड म्यूजिक और डांस अधिक लोकप्रिय है। भारतीय व्यंजनों को काफी पसंद किया जाता है। भारतीय रेस्टोरेंट की काफी मांग है तथा वे दावत का बहुत बढ़िया अनुभव प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति का प्रचार - प्रसार करने वाले अनेक संगठन जैसे कि हिंदू मंदिर, इस्कान, ब्रह्मकुमारी समाज, कुंडलिनी योग, आयंगर योग, बिक्रम योग, ऑर्ट ऑफ लिविंग, इंस्टीच्यूट डिफ्यूजन बुद्धिस्टा आदि चिली में खुल गए हैं। वास्तव में इस तरह का शुद्ध धर्म मंडलम नामक एक संस्थान 1920 से चिली में काम कर रहा है।

21 जून 2015 को सेंटियागो तथा अन्य प्रमुख शहरों जैसे कि प्यूंटा अरेनास, इक्कू, कंशेपसियन और प्यूंटा अरेनास में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भव्य तरीके से मनाया गया। सेंटियागो में प्रतिष्ठित ला मोनेडा सांस्कृतिक केंद्र में योग प्रदर्शन, कार्यशाला आदि के आयोजन के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

ब्रांड इंडिया को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर 29 नवंबर 2015 को 'चिली में भारत महोत्सव' का आयोजन किया गया। यह महोत्सव एक दिवसीय संगीत एवं नृत्य महोत्सव था जिसमें 60 से अधिक कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इसमें एक फोटोग्राफिक प्रदर्शनी, लघु फिल्म महोत्सव, बच्चों के लिए गतिविधियां, भारत से हस्तशिल्प एवं टेक्सटाइल, खाद्य महोत्सव, चिली में अग्रणी संस्थानों द्वारा योग एवं आयुर्वेद पर व्याख्यान तथा कार्यशालाएं शामिल थीं। इस महोत्सव में 7000 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

भारतीय समुदाय

चिली में भारतीय समुदाय की उत्पत्ति वर्ष 1905 से ढूंढी जा सकती है। इस समय, भारतीय मूल के लगभग 2000 व्यक्ति एवं एन आर आई हैं। इनमें से तकरीबन 60 प्रतिशत ने चिली की नागरिकता ग्रहण कर ली है। इनमें से एक तिहाई इक्विके के नार्दर्न फ्री पोर्ट में रहते हैं तथा शेष लोग सेंटियागो, वालपरैसो, वीना डेल मार एवं पुनटा अरेनास में रहते हैं। उनका मुख्य पेशा व्यापार है। हाल के वर्षों में पेशेवरों तथा आई सी टी, बी ओ पी एवं के पी ओ जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। भारतीय समुदाय ने चिली के समुदाय के अंदर अपने आपको अच्छी तरह एकीकृत कर लिया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, सैंटियागो की वेबसाइट :
http://www.embajadaindia.cl
भारतीय दूतावास, सैंटियागो का फेसबुक पृष्ठ:
https://www.facebook.com/IndianEmbassy.Santiago

*****

जनवरी, 2016